आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्।।

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 142 ● मुद्रण तारीख » 1 अक्टूबर-2023 ● कुल पृष्ठ » 28

मन मिले-पुष्प खिले सजा घर-संसार

40वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह

» 1 अक्टूबर, 2023 » वर्ष 12 » अंक 142 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 28

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल » सम्पादक प्रशान्त अग्रवाल » सहयोग विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़ » डिजाइनर विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 October, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

सेवा और संकल्प के 39 वर्ष

जो लोग अपने व परिवार के साथ-साथ पड़ोस, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वाह करते हैं वे यशस्वी और स्मरणीय होते हैं। जीवन की सार्थकता सेवा और परोपकार में ही है। इसी भाव से नारायण सेवा संस्थान के साथ जुड़े समस्त करूणहृदयी महानुभावों और उनके परिवारों को मैं सादर प्रणाम करता हूँ।

'सेवक' प्रशान्त भैया अध्यक्ष

वकाल के अनंत प्रवाह में एक दिन सभी को विलीन होना ही है। जन्म-मृत्यु के इस चक्र में वे लोग अमरत्व पा जाते हैं, जिन्होंने दुःखी-पीड़ितजन के लिए अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग कर उनकी मदद की। धनार्जन गृहस्थ के लिए आवश्यक है, लेकिन उसी को कर्त्तव्य मान बैठने की सोच ठीक नहीं है। धन से भौतिक संसाधन तो हासिल किए जा सकते हैं, लेकिन सन्तोष और शांति नहीं। भौतिकता की मृगतृष्णा लेकर भटकते रहना मनुष्य का उद्देश्य नहीं है, और न ही इसके लिए उसका जन्म हुआ है। जिसके पास शांति और सन्तोष है, वही समृद्धिशाली है। जो लोग अपने व परिवार के साथ-साथ पड़ोस, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वाह करते हैं वे यशस्वी और स्मरणीय होते हैं। जीवन की सार्थकता सेवा और परोपकार में ही है। इसी भाव से नारायण सेवा संस्थान के साथ जुड़े समस्त करूणहृदयी महानुभावों और उनके परिवारों को मैं सादर प्रणाम करता हूँ।

परम श्रदेय गुरूदेव पूज्य कैलाश जी 'मानव' व गुरूमाता श्रीमती कमलादेवी जी के सानिध्य, आपश्री के सहयोग व भगवान नारायण की कृपा और साक्षी में स्थापित नारायण सेवा संस्थान इसी माह 39वें सेवा वर्ष (स्थापना 23 अक्टूबर 1985) में प्रवेश कर रहा है। सेवा, संकल्प और समर्पण की इस यात्रा में आपके योगदान का सादर अभिनन्दन। आज भी हमारे देश में असंख्य भाई-बहन शारीरिक रूप से अक्षम हैं, निःशक्त हैं। प्रति दिन हादसों में हजारों लोग अपने हाथ-पांव खोकर बेजारी की जिन्दगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। निराश्रित और निर्धन जन भी अपनी बुनियादी जरूरतों के साथ एक सामान्य व्यक्ति की भांति जिदंगी को भरपूर जीना चाहते हैं। आपके सहयोग व मार्गदर्शन में संस्थान ने उनके लिए ऐसे प्रकल्पों को साकार किया है, जिनसे आज वे खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। संस्थान ने दानवीरों के सहयोग से 4.50 लाख से अधिक दिव्यांगजन की निःशुल्क सर्जरी कर उन्हें पोलियों के दंश से राहत दी तो सड़क हादसों में अपने हाथ-पांव खो देने वाले 38 हजार से अधिक भाई-बहिनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध करवा उन्हें गतिमान रखा। चालीस सामूहिक विवाह आयोजित कर 2302 निर्धन युवक-युवतियों की गृहस्थी बसाकर उनका सम्पूर्ण पुनर्वास किया गया। इसके अतिरिक्त दिव्यांग, निर्धन एवं मूक-बधिर बालकों की शिक्षा, चिकित्सा के साथ उन्हें खेल की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु व माताओं के सुपोषण के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। यह सभी आपके दान-सहयोग व प्रभु कृपा से संभव हो पाया है। देश-विदेश में सेवा और समर्पण की इस यात्रा में आपका सम्बल और मार्गदर्शन मिलता रहे, हमें इसी आशीष की कामना है।

जय नारायण।

संस्कार ही सारस्वत पूंजी

जो लोग दूसरों की चिंता करते मदद में आगे बढ़ते हैं, वे प्रसन्न और सुखी रहते हैं। समाज के समक्ष आदर्श भी उपस्थित करते हैं। आदर्श के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं है। व्यक्ति धन से नहीं सेवा और संस्कारों के स्पर्श से उत्कृष्ट बनता है।

व्यक्ति जीवन में जब व्यवहारिकता के निर्वाह में स्वार्थ अथवा अज्ञानतावश अपने कर्तव्य से विमुख हो जाता है तो उसके परिणाम न केवल दूसरों के लिए बल्कि स्वयं के लिए भी नुकसानदेह हो सकते हैं। हालात जैसे भी हों यदि हम तटस्थ रहकर विचारपूर्वक किसी निष्कर्ष पर पहुंचेंगे तो वह संतोषदायी ही होगा। अपने बारे में सोचते रहने वाले लोग हताश, उदास और दुःखी ही रहते हैं। जो लोग दूसरों की चिंता करते मदद में आगे बढ़ते हैं, वे प्रसन्न और सुखी रहते हैं। समाज के समक्ष आदर्श भी उपस्थित करते हैं। आदर्श के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं है। व्यक्ति को जीवन के मूल्यों को समझना और उनकी गरिमा के लिए काम करना चाहिए। दूसरों के प्रति सेवा और समर्पण का भाव जो महानुभाव अपने मन में संजोए रखते हैं, वे सुख, शांति और समृद्धि का स्वतः वरण कर लेते हैं। वे रोशनी की ऐसी अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जो बार-बार उनकी याद दिलाती है।

दक्षिण भारत के ज्ञानी संत तिरूवल्लुवर के पास प्रायः दूर-दूर से लोग अपनी समस्याओं व मार्ग दर्शन के लिए आया करते थे। एक बार एक धनाढ्य व्यक्ति उनके पास पहुंचा और बोला - 'महाराज, मैंने जीवनभर कठोर परिश्रम किया, धन कमाया और बहुत ही मितव्ययता के साथ अपने लिए उसका उपयोग भी किया। अधिक कमाई और कम खर्च में मैंने सम्पूर्ण जीवन लगा दिया। अब बुढ़ापे की देहरी पर हूँ। इकलौते पुत्र को विरासत सौंपना चाहता हूं, किन्तु दुर्भाग्यवश वह कुसंग के कारण दुर्व्यसनी बन गया है।'' संत तिरूवल्लुवर ने उन्हें अपने पास बिठाया और पूछा - ''तुम केवल धन संचय में ही लगे रहे या पुत्र को संस्कारित करने पर भी ध्यान दिया ? क्या तुमने अर्जित धन को किसी नेक कार्य अथवा परोपकार में भी लगाया ? किताबी लेखा-जोखा तो करते रहे किन्तु कभी तुमने अपने जीवन के हिसाब-किताब को भी टटोला ? जीवन की जो झोली पुण्यकार्यों से भरी होनी चाहिए, वह आज खाली है। जीवन की संध्या में तुम सिर्फ हाथ मलते हुए नजर आ रहे हो। अब भी समय है, जीवन का अर्थ - मर्म खुद भी समझों और समाज के पीड़ित व वंचित लोगो की सेवा के कार्यों में शामिल होते हुए अपने पुत्र को भी उसका महत्व समझाओ। व्यक्ति धन से नहीं सेवा और संस्कारों के स्पर्श से उत्कृष्ट बनता है।

पूज्य कैलाश जी 'मानव'

कृत्रिम पांव से बढ़ा हौसला

एक भयानक सड़क हादसे ने अनिल की जिन्दगी को बैसाखी के हवाले कर दिया। छोटी उम्र में ही ऐसी विकट स्थिति का सामना होने से इन्हें अपना भविष्य बिखरता सा लगने लगा।

बीकानेर के रहने वाले 16 वर्षीय अनिल कुमार अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रहे थे। तीन साल पहले हुए एक सड़क हादसे में बुरी तरह से जख्मी होने पर आसपास के लोगों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया। सूचना मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे तो बेटे की स्थिति देख सब हतप्रभ रह गए। उपचार के दौरान बाएं पांव को कटवाना पड़ा। हंसती-खेलती जिन्दगी पलभर में एक पांव पर टिक कर हरकदम बैशाखी के सहारे चलने पर मजबूर हो गई।

दिव्यांगता का दर्द झेलते-झेलते ये हीनभावना का शिकार होने लगे, लेकिन मई 2023 में इन्हें नारायण सेवा संस्थान से निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण की सोशल मिडिया से मिली जानकारी इनके जीवन को आगे बढ़ाने वाली साबित हुई। 27 जून को संस्थान आने पर संस्थान के विशेष ऑर्थोटिक एंड प्रोस्थेटिक टीम ने पांव का माप ले 3 दिन में कृत्रिम पांव तैयार कर इन्हें खड़ा कर दिया।

अनिल बताते है कि अब मैं दूसरों की तरह आराम से चल एवं सभी तरह के काम कर सकता हूँ, संस्थान एवं दानदाताओं का बहुत-बहुत धन्यवाद जिनके के सहयोग से मुझे नया जीवन तो मिला ही है साथ ही बेहतर भविष्य के लिए भी सहारा मिला।

कृत्रिम पांव ने भरे रिया के जीवन में खुशीयों के रंग

माता-पिता बताते है कि आज इसको चलते हुए देखकर इतनी खुशी हो रही है जितनी खुशी तो इसके जन्म पर भी नहीं हुई थी। संस्थान का दिल से आभार।

असम, सोनितपुर 5 वर्षीय रिया चतर्जी का जन्म हुआ तो परिवार में खुशीयों का महौल था। लेकिन यह महौल अगले ही पल दुःख में तब्दील हो गया, जब पता चला कि नन्हीं बच्ची के दांया पांव जन्म से ही विकृत अथवा आधा जो बिना हड्ड़ी के मांस का लौथड़ा था। माँ को इस स्थिति का 3 दिन बाद पता चला तो वो आंसुओं को रोक नहीं पाई। माता-पिता व परिजनों ने अपना बूरा नसीब मानकर बेटी की परवरिश में लग गए। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ तकलीफें ओर भी बढ़ती जा रही थी। एक पांव पर फुदक-फुदक के चलने से रिया रातभर दर्द के मारे रोती रहती थी। स्कूल जाना चाहती थी लेकिन इसकी स्थिति को देख और दुसरे बच्चें भी मजाक उडाते थे। बेटी की परेशानी देख माँ-बाप दोनों के पास आंसु बहाने के सिवाएं ओर कोई चारा भी नहीं था, इसी दौरान जुलाई 2023 को सोशल मीडिया पर विडियों देखते-देखते नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण एवं सेवा प्रकल्पों के बारे में जानकारी मिली जो सूने जीवन में खुशी के रंग भरने वाली साबित हुई। बिना समय गंवाए बेटी को लेकर उदयपुर आएं। जहां संस्थान के विशेषज्ञ डॉक्टर एवं टीम ने जांच कर पांव का माप लिया और दो दिनों में विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर पहना चलने-फिरने का अभ्यास करवाने के बाद रिया बिना किसी सहारे के आराम से चलने लगी है।

शुभ विवाह

54 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

40वाँ दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह

सपने देखना किसे अच्छा नहीं लगता और जब कोई जीवन की दशा और दिशा बदलने वाला सपना साकार हो जाए तो उस खुशी को बयां करना आसान भी नहीं होता। एक ऐसा ही सुंदर-सलौना सपना दिव्यांग एवं गरीब परिवारों के युवक-युवतियों की आंखों में बसा था, लेकिन साकार न होने से वे मन प्रायः दुखी रहते थे। आखिर वह दिन भी आया जब नारायण सेवा संस्थान ने सेवामहातीर्थ, बड़ी में 2-3 सितंबर को 40वें भव्य निःशुल्क विवाह समारोह में उनके सपने को मूर्त रूप दिया।

बैसाखी या किसी और के सहारे के बिना उठ नहीं सकते, चल नहीं सकते, देख नहीं पाते, मगर एक -दूसरे का साथ निभाते हुए जिंदगी के सफर को खुशनुमा तो बना ही सकते हैं, कुछ ऐसे ही भावों के साथ 54 दिव्यांग एवं निर्धन जोड़ों ने पवित्र अग्नि के सात फेरे लेकर गृहस्थ जीवन का सफर शुरू किया है। मन उमंगों से तरंगित हुआ तो दिव्यांगता और गरीबी की पीड़ा भी तिरोहित हो गई। देश भर से आए हजारों अतिथियों की मौजूदगी में शाही इंतजामों के बीच नाते-रिश्तेदारों, मित्रों और धर्म माता-पिता ने जोड़ों पर असीम स्नेह लुटाते हुए दो दिलों के एक होने के लम्हों को और भी यादगार व भावुक बना दिया।

संस्थान संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव', सह संस्थापिका कमला देवी जी, सेवक प्रशांत भैया, निदेशक वंदना जी अग्रवाल, ट्रस्टी -निदेशक श्री जगदीश जी आर्य, श्री देवेंद्र जी चौबीसा, श्री राजेंद्र कुमार जी, सुश्री पलक जी अग्रवाल सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 1500 से अधिक अतिथियों व कन्या दानियों की उपस्थिति व सानिध्य में हुए वर्ष के इस दूसरे सामूहिक विवाह समारोह में आशीर्वाद, आशीर्वचन और अपनेपन की अद्वितीय झलक

देखने को मिली। प्रातः शुभ मुहूर्त में नीम की डाली से तोरण की परम्परागत रस्म का निर्वाह किया। इसके बाद भव्य पण्डाल में गाते -झूमते हजारों लोगों के बीच नव-युगल ने एक-दूसरे के गले में वरमाला डाली और तन- मन से एकाकार होने की परस्पर मौन-स्वीकृति दी। इस दौरान जोड़ों पर पुष्प वर्षा होती रही। इसके बाद भव्य पाण्डाल में 54 वेदी-अग्निकुंड पर वैदिक मंत्रों और विधि-विधान से विवाह संपन्न हुआ। यह संपूर्ण प्रक्रिया मुख्य आचार्य के निर्देशन में 54 सह आचार्य की टीम ने संपन्न करवाई ।

उपहार एवं विदाईः- विवाह विधि संपन्न होने पर नव-युगल को संस्थान व अतिथियों की ओर से नवगृहस्थी के लिए आवश्यक सामान एवं उपहार स्वरूप स्वर्ण व रजत आभूषण प्रदान किए गए। जिसमें मंगलसूत्र, चूड़ी, लोंग, कर्णफूल, अंगूठी, चांदी की पायल, बिछिया आदि शामिल थे जब कि गृहस्थी के सामान में गैस चूल्हा, पलंग - बिस्तर, आलमीरा, संदूक, बर्तन, सिलाई मशीन, पानी की टंकी आदि हैं। जोड़ों की दोपहर मंगल आशीर्वाद के साथ विदाई हुई। संस्थान के वाहनों से उनके शहर-गांव तक पहुंचाया गया।

रमिला दिखाएगी शैतान को राह

सिरोही जिले के आबूरोड निवासी शैतान गरासिया के आँखों की रोशनी 6 साल की उम्र में अचानक चली गई। जिससे माता-पिता और चार बहिनों का परिवार दुःखी हो गया। वर्ष 2007 में गांव वालों की मदद से वह नारायण सेवा संस्थान आया। जहां संस्थान के आवासीय विद्यालय में उसकी निःशुल्क शिक्षा-दीक्षा शुरू हुई। वर्तमान में वह एक प्राइवेट स्कूल में टीचर है। कुछ ही महीने पहले उसकी आबू निवासी रमिला से मुलाकात हुई जो स्वयं अनाथ है। उसकी सहमति के बाद शैतान ने संस्थान द्वारा आयोजित निःशुल्क सामूहिक विवाह में आवेदन किया। जिसे संस्थान ने स्वीकार कर लिया। दोनों को हमसफर बनाया। शैतान गरासिया आरएएस की तैयारी भी कर रहे हैं।

रमिला बताती है कि वे अपने पीटीआई के आँखों की ज्योति बनकर हर कदम पर उनके साथ रहेंगी।

अंकुर-मालती की संघर्ष-कथा

सिअंकुर और मालती दोनों बचपन से दिव्यांगता के दर्द से पीड़ित थे। इनकी संघर्षपूर्ण जिन्दगी में नारायण सेवा संस्थान एक नया सवेरा लाया है। उत्तर प्रदेश, मुजफ्फरनगर के अंकुर कुमार 2 साल की उम्र में बांए पांव से वहीं बिहार, लखीसराय की रहने वाली मालती कुमारी जन्म से ही दोनों पांवों से दिव्यांग है। दोनों का जीवन बहुत ही चुनौतीपूर्ण रहा। अंकुर ने 9वीं तो मालती 5वीं तक की पढ़ाई ही कर सकी। माता-पिता ईंटो के भट्टे - खेती में मजदूरी कर गुजारा करते हैं। इसी बीच 2014 में गांव के लोगों द्वारा नारायण सेवा संस्थान में मालती को इलाज हेतु लाया गया। जहां संस्थान ने दोनों पैरों का सफल ऑपरेशन किया और निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया। वहीं 2022 में अंकुर संस्थान में उपचार हेतु आए । सफल सर्जरी के बाद वह अब कैलिपर के सहारे चलते हैं।

उपचार के दरमियाँ दोनों का मिलन हुआ। संस्थान के सहयोग से 2-3 सितम्बर को दोनों ने परिणय सूत्र में बंध गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया बसाई।

सीता बनी विनोद की परछाई

विनोद कुमार और सीता खुशवा दोनों को बचपन में पोलियो ने जकड़ लिया। फिरोजाबाद निवासी विनोद ने दोनों पांवों से विकलांग होते हुए भी हौसला नहीं खोया। बैसाखी के सहारे चलते और चुनौतियों का सामना कर 10वीं तक पढ़ाई की। अपने शहर में संस्थान के सेवा शिविर से नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क प्रकल्पों की जानकारी प्राप्त हुई तो उदयपुर आए। जहां तीन माह का निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने।

जन्मजात दिव्यांग सीता कमर एवं दोनों पांवों से पूरी तरह विकलांगता के दर्द से पीड़ित थी। जयपुर में संस्थान के दिव्यांगता निवारण शिविर के दौरान दोनों की मुलाकात हुई और दोनों ने हमसफर बनने की ठानी परन्तु आर्थिक स्थिति खराब होने से सफल नहीं हो पाए। तभी विनोद को संस्थान के सामूहिक विवाह का स्मरण हो आया। संस्थान में पंजीयन करवाया। 2 - 3 सितम्बर को सामूहिक विवाह में दोनों हमसफर बन गए।

देश के मीडिया में छाया विवाह

उदासी और अक्षमता से निजात

कृत्रिम - अंग कैलिपर से पुनः आरम्भ हुई रुकी यात्रा

देश के 9 शहरों में संस्थान के तत्वावधान में दानवीर -भामाशाहों के सहयोग से निःशुल्क अत्याधुनिक कृत्रिम अंग व कैलिपर माप, सेरेब्रलपाल्सी ग्रस्त दिव्यांगजन की सर्जरी एवं सहायक उपकरण वितरण के शिविर आयोजित किए गए। जिनमें करीब 1000 बंधु- बहिनों को लाभान्वित किया गया।

देवरिया - मिराकी फाउंडेशन के सौजन्य से देवरिया (उत्तर प्रदेश) के महाराजा अग्रसेन भवन में 13 अगस्त को सीएमओ डॉ.राजेश झा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न शिविर में 207 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से 74 के कृत्रिम अंग और 64 के कैलिपर बनाने का माप डॉ. अखिल भास्कर और उनकी टीम ने लिया। निःशुल्क सर्जरी के लिए 10 का चयन किया गया। अध्यक्षता मिराकी फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती मधु अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री मोनू अग्रवाल, पायल रूँगटा, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, पुरुषोत्तम नरोदिया, श्रवण अग्रवाल व स्मिता कानोदिया थीं।

गाजियाबाद - मीनामल धर्मशाला, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में 13 अगस्त को आयोजित शिविर में 18 दिव्यांगजन को 23 कृत्रिम अंग वितरण किया गया। मुख्य अतिथि वेबकुल फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारी श्री गजेंद्र नाथ थे। अध्यक्षता लेखाधिकारी श्री अखिलेश कुमार ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री कनिष्क कुमार, दिनेश कुमार, सुश्री वंदना शर्मा और सुश्री कौशिकी थीं।

चैन्नई - राजपुरोहित समाज ट्रस्ट के श्री खेतेश्वर भवन,चेन्नई (तमिलनाडु) में 13 अगस्त को समाजसेवी गो सेवक श्री हेमंत जी दाधीच के मुख्य आतिथ्य में संपन्न शिविर में उपस्थित 50 दिव्यांगजन में से 40 को कृत्रिम अंग व 10 को कैलिपर का वितरण किया गया। अध्यक्षता शाखा संयोजक डॉ. केशर सिंह राजपुरोहित गादाणा ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रामजी सुथार, कान सिंह चाडवॉल, पवन कुमार, नारायण सिंह, गोपाल सिंह मनणा व विजय सिंह पुनाड़िया थे।

चित्तौड़गढ़ - श्री रामचंद्र जी डोंगरे जी महाराज चौरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) में 13 अगस्त को आयोजित शिविर में 41 दिव्यांगजन की जांच कर 6 का ऑपरेशन, 2 का कृत्रिम अंग व 6 का कैलिपर बनाने के लिए चयन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. ए.एल.जैन थे। अध्यक्षता श्री राजेंद्र जैन कसाला ने की। पीएण्डओ डॉ. मानस रंजन साहू ने जांच एवं चयन कार्य किया।

लुधियाना - दुर्गा माता मंदिर अर्बन स्टेट फेज 1 डूंगरी, लुधियाना (पंजाब) में 17 अगस्त को श्रीमती ज्योति-अमित जी गर्ग परिवार के सौजन्य से संपन्न नारायण लिम्ब एवं कैलिपर माप शिविर में 63 दिव्यांगजन के कटे हाथ -पांव का माप लिया गया। जिन्हें आगामी शिविर में कृत्रिम अंग प्रदान किए जाएंगे। शिविर में आए 117 दिव्यांगजन की जांच एवं माप का कार्य पीएण्डओ डॉ. अखिल भास्कर व उनकी टीम ने किया। मुख्य अतिथि श्री विजय जी गर्ग थे। अध्यक्षता श्री अमित जी गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती ज्योति गर्ग, श्री रामजी गर्ग व श्री अभिनव जी गर्ग थे। संयोजन श्री हरिप्रसाद लढ्ढा व धन्यवाद ज्ञापन लुधियाना आश्रम प्रभारी श्री मधुसूदन शर्मा ने किया।

गोरखपुर - स्वदेशी आरएचसी महिला जागरूकता अभियान, उत्तर प्रदेश के सौजन्य से 22 अगस्त को गोरखपुर के जूनियर हाई स्कूल में आयोजित नारायण लिम्ब फिटमेंट शिविर में 8 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 16 को कैलिपर लगाए गए। मुख्य अतिथि आशा संगिनी संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती चंद्रा यादव थी। अध्यक्षता अभियान के सदस्य श्री राजकमल जी ने की। संचालन श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती रीता सिंह, सर्वश्री राजेश गौरव, सी.पी. दासवाल, चंद्र मोहन भट्ट व श्री राजकुमार थे।

अजमेर - श्री दिगंबर जैन बीस पंथ अजमेरी आम्नाय पंचायत बड़ा घड़ा ,अजमेर (राजस्थान) के सौजन्य से 23 अगस्त को आयोजित दिव्यांग शल्य चिकित्सार्थ जांच एवं सर्जरी हेतु चयन शिविर में 69 दिव्यांगजन की डॉ. पवन शर्मा ने जांच की। इनमें से 17 की सर्जरी व 3 का कृत्रिम अंग व 9 का कैलिपर बनाने के लिए चयन हुआ। मुख्य अतिथि श्री जैन दिगंबर बीस पंथ के अध्यक्ष श्री प्रदीप जी पाटनी थे। अध्यक्षता मंत्री श्री मनीष जी सेठी ने की। विशिष्ट अतिथि श्री अशोक जी पहाड़िया थे। संचालन श्री लाल सिंह भाटी ने किया।

शिरपुर - महाराष्ट्र के जिला धुले के शिरपुर में 25 -26 अगस्त को दिव्यांग जांच,चयन एवं नारायण लिम्ब मेजरमेंट शिविर में कुल 188 दिव्यांग भाई- बहिनों का पंजीयन हुआ। डॉ. शशांक रांका की टीम ने 41 का कृत्रिम अंग व 61 के कैलिपर बनाने तथा 12 की पोलियो सुधारात्मक सर्जरी के लिए चयन किया। शिविर एसवीकेएम फाउंडेशन व मुकेश पटेल चौरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से राजगोपाल -चंदूलाल भंडारी सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि मेयर श्री भूपेश भाई थे। अध्यक्षता श्री विवेक भाई बदप ने की। विशेष अतिथि के रूप में सर्वश्री राजगोपाल चंदूलाल भंडारी, प्रभाकर राव, के.डी. पाटील, राहुल कुलकर्णी, श्रीमती अश्विनी पंवार मंचासीन थे। संस्थान की निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने अतिथियों का अभिनंदन किया व संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए सहयोग का आग्रह किया। संचालन महिम जैन ने व धन्यवाद ज्ञापन हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

मेरठ - श्री सुरेंद्र कुमार जैन चेरिटेबल ट्रस्ट, मेरठ (उत्तर प्रदेश) के सौजन्य से वर्धमान अकादमी में 28 अगस्त को दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन व सहायक उपकरण वितरण शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 256 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। डॉ. पवन शर्मा ने उनकी जांच कर 36 का ऑपरेशन के लिए चयन किया। 15 को ट्राई साइकिल, 5 को व्हीलचेयर, 20 को बैसाखी व 5 को श्रवण यंत्र का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि राज्य के ऊर्जा राज्य मंत्री श्री सोमेंद्र शर्मा थे। अध्यक्षता शिविर आयोजक परिवार के श्री अमित जी जैन ने की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती सोनी जैन, श्रीमती पायल जैन, सर्वश्री अनूप जैन, विशाल जैन, राहुल जैन थे। अतिथियों का स्वागत -सम्मान प्रभारी श्री हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

झीनी-झीनी रोशनी-53

सरदार शहर यात्रा

पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है।'मानव' जी के जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में बहुत ही मार्मिक रूप से प्रस्तुत किया गया है।

राजस्थान के चूरू जिले का सरदार शहर कैलाश जी के लिये एकदम अनजान इलाका था। उन्हें यहां पदोन्नति जरूर मिल गई थी मगर काम यहां भी पोस्ट ऑफिसों के निरीक्षण का ही था। घर में ही कार्यालय और एक अर्दली सहायक के रूप में था। आये दिन किसी न किसी पोस्ट ऑफिस का निरीक्षण करने जाना पड़ता। अर्दली तो साथ रहता ही था, क्षेत्र का मेल ओवरसियर भी साथ हो जाता।

एक बार किसी गांव में निरीक्षण हेतु जाने के लिये कैलाश जी बस स्टेण्ड पर प्रतीक्षा कर रहे थे। अर्दली व ओवरसियर भी साथ ही थे। बस आने में देर थी, अर्दली पास ही बैठा था मगर ओवरसियर कहीं नजर नहीं आ रहा था। दूर से बस आती दिखी तो यात्री खड़े हो गये, कैलाश जी को ओवरसियर की फिक्र हुई, अभी तो यहीं बैठा था, अचानक कहां चला गया। उन्होंने इधर-उधर दृष्टि घुमाई तो एक पेड़ के पीछे वह दिखाई दिया। उसके हाथ में बीड़ी थी, ज्यूं हीं कैलाश जी से उसकी नजरें मिली, वह बीड़ी फेंक तुरन्त उनके पास आ गया। तब तक बस भी आ गई थी। सब उसमें चढ़ गये। बस में अर्दली कैलाश जी के पास बैठा था, मेल ओवरसियर अन्यत्र सीट पर बैठा था। कैलाश जी ने अर्दली को उठाया और उससे कहा कि मेल ओवरसियर को यहां भेज वह उसकी सीट पर बैठ जाये। अर्दली ने ऐसा ही किया। मेल ओवरसियर नजरें झुकाए, सहमते हुए कैलाश जी के पास आकर बैठ गया। उन्होंने उसे इस तरह नजरें झुकाने का कारण पूछा तो वह याचना के स्वर में कहने लगा कि उससे गलती हो गई, आपके सामने बीड़ी नहीं पीनी चाहिये थी। कैलाश जी ने उसे समझाया कि ऐसा काम करें ही क्यूं जिससे दूसरों के आगे शर्मिन्दगी झेलनी पड़े। अगर तुमको बीड़ी पीना अच्छा लगता है तो सबके सामने पियो, छुपना क्यूं?

राजकीय स्कूल के 350 बच्चों को दिए आईडी कार्ड और बेल्ट

राजस्थान की ओर से दिनांक 16 सितम्बर को महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहाड़ा में 350 बच्चों को आईडी कार्ड व बेल्ट के साथ स्टेशनरी प्रदान की गई। इस अवसर पर स्कूल की ओर से आयोजित 'बाल प्रतिभा प्रस्तुति' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने कहा कि बच्चे ही कल के भारत का भविष्य हैं, इनके सर्वांगीण विकास में सरकार के साथ समाज की पहल भी आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि ट्रस्टी -निदेशक श्री देवेंद्र जी चौबीसा व श्री विष्णु जी शर्मा हितैषी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आरंभ में विद्यालय प्रधान डॉ. श्रीमती सीमा आमेटा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने अतिथियों का पगड़ी व उपरणा पहना कर अभिनंदन किया।श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि नारायण सेवा संस्थान की और से 350 विद्यार्थियों को आईडी कार्ड, बेल्ट, 600 पेन-पेंसिल 450 रबर, शॉपनर, स्केल, बेग आदि का वितरण किया गया। उन्होंने कार्यक्रम में सर्दी में सभी बच्चों को स्वेटर देने की घोषणा की।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती हितु शर्मा व श्रीमती प्रीति हिंगड़ तथा धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सुलोचना जैन ने किया। कार्यक्रम में श्री नरेंद्र सिंह चौहान, श्री बंशीलाल मेघवाल, श्री मोहित मेनारिया, श्री दिलीप सिंह चौहान, श्री लक्ष्मण प्रजापत सहित स्कूल स्टाफमौजूद था।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल

नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी

बस स्टेण्ड से मात्रा 700 मीटर दूर

7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त

नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य

51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

21,000 रू.

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लैडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इम्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,089896097 14,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बम्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5,000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मित्ति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7,000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4,000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2,000/-	6,000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री पुलकित कुमार पटेल
श्रीमती चमेली पटेल
चन्द्रपुर, सक्ती (छत्तीसगढ़)

श्री सुशील कुमार शर्मा
श्रीमती विमला शर्मा
छतरपुर (मध्य प्रदेश)

श्री कृष्ण अग्रवाल
श्रीमती प्रमिला अग्रवाल
अलवर (राजस्थान)

श्री मंहगी लाल गुप्ता
श्रीमती सोना देवी गुप्ता
मुम्बई

शाखा प्रेरणा स्त्रोत माह अगस्त-2023

शाखा प्रेरक
श्री दमनेश कुमार
केशवपुरम,नई दिल्ली

शाखा संयोजक
डॉ. विवेक गर्ग
कैथल (हरियाणा)

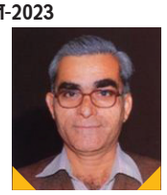

सेवा प्रचारक
श्री नन्द किशोर बत्रा
झोटवाड़ा, जयपुर (राज.)

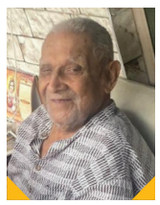

श्री राजिन्दर कुमार
कपूर, अम्बाला शहर
(हरियाणा)

श्री नवीन कौशिक
कुरूक्षेत्र
(हरियाणा)

श्री हीरा भाई डेकर
सूरत
(गुजरात)

दिवंगत परिजनों को प्रसन्न करने का अवसर

श्राद्ध पक्ष

29 सितम्बर से 14 अक्टूबर, 2023

सप्तदिवसीय भागवत कथा मूलपाठ
» ₹21000

श्राद्ध तिथि तर्पण व ब्राह्मण भोजन सेवा
» ₹11000

श्राद्ध तिथि पितृ तर्पण गया तीर्थ में
» ₹5100

Seva Soubhagya, Print Date 1 October, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-